# Maa Katyayani: मंत्र, प्रार्थना, स्तुति, ध्यान, स्तोत्र, कवच और आरती

## Maa Katyayani मंत्र

ॐ देवी कात्यायन्यै नमः॥

Om Devi Katyayanyai Namah॥

## Maa Katyayani प्रार्थना

चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद् देवी दानवघातिनी॥

Chandrahasojjvalakara Shardulavaravahana।
Katyayani Shubham Dadyad Devi
Danavaghatini॥

## Maa Katyayani स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

Ya Devi Sarvabhuteshu Ma Katyayani Rupena
Samsthita।
Namastasyai Namastasyai Namastasyai
Namo Namah॥

## Maa Katyayani ध्यान

वन्दे वाञ्छित मनोरथार्थ चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
सिंहारूढा चतुर्भुजा कात्यायनी यशस्विनीम्॥

स्वर्णवर्णा आज्ञाचक्र स्थिताम् षष्ठम दुर्गा त्रिनेत्राम्।
वराभीत करां षगपदधरां कात्यायनसुतां भजामि॥

पटाम्बर परिधानां स्मेरमुखी नानालङ्कार भूषिताम्।
मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि, रत्नकुण्डल मण्डिताम्॥

प्रसन्नवदना पल्लवाधरां कान्त कपोलाम् तुगम् कुचाम्।
कमनीयां लावण्यां त्रिवलीविभूषित निम्न नाभिम्॥

Vande Vanchhita Manorathartha
Chandrardhakritashekharam।
Simharudha Chaturbhuja Katyayani
Yashasvinim॥

Swarnavarna Ajnachakra Sthitam
Shashthama Durga Trinetram।
Varabhita Karam Shagapadadharam
Katyayanasutam Bhajami॥

eAstroHelp

Patambara Paridhanam Smeramukhi
Nanalankara Bhushitam।
Manjira, Hara, Keyura, Kinkini, Ratnakundala
Manditam॥

Prasannavadana Pallavadharam Kanta
Kapolam Tugam Kucham।
Kamaniyam Lavanyam Trivalivibhushita
Nimna Nabhim॥

## Maa Katyayani कवच

कात्यायनौमुख पातु कां स्वाहास्वरूपिणी।
ललाटे विजया पातु मालिनी नित्य सुन्दरी॥
कल्याणी हृदयम् पातु जया भगमालिनी॥

Katyayanaumukha Patu Kam
Swahaswarupini।
Lalate Vijaya Patu Malini Nitya Sundari॥
Kalyani Hridayam Patu Jaya Bhagamalini॥

## Maa Katyayani आरती

जय जय अम्बे जय कात्यायनी। जय जग माता जग की महारानी॥
बैजनाथ स्थान तुम्हारा। वहावर दाती नाम पुकारा॥
कई नाम है कई धाम है। यह स्थान भी तो सुखधाम है॥
हर मन्दिर में ज्योत तुम्हारी। कही योगेश्वरी महिमा न्यारी॥
हर जगह उत्सव होते रहते। हर मन्दिर में भगत है कहते॥
कत्यानी रक्षक काया की। ग्रंथि काटे मोह माया की॥
झूठे मोह से छुडाने वाली। अपना नाम जपाने वाली॥
बृहस्पतिवार को पूजा करिए। ध्यान कात्यानी का धरिये॥
हर संकट को दूर करेगी। भंडारे भरपूर करेगी॥
जो भी माँ को भक्त पुकारे। कात्यायनी सब कष्ट निवारे॥

eAstroHelp